केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 132 गुरूवार 5 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

करमा देवी शैक्षणिक संस्थान का स्थापना दिवस समारोह 11 को

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। करमा देवी शैक्षणिक संस्थान का स्थापना दिवस 11 दिसम्बर को अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच भव्यता से मनाया जायेगा।

यह जानकारी देते हुये संस्थान के सीईओ अंशू सिंह गौतम ने बताया कि कार्यक्रमों में नारी सशक्तिकरण पर आधारित महाभारत की नारी पात्र द्रोपदी को विभिन्न रूप में प्रदर्शित किया जायेगा। इसके साथ ही बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ, रामायण और महाकुंभ पर भी मंचन किया जाएगा।

टूट गया गन्ना लदे ट्रक में फंसा बिजली का पोल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। वाल्टरगंज थानाक्षेत्र के पड़िया भौखरी मार्ग के बेलभरिया परसालालशाही में बजाज चीनी मिल अठदमा का गन्ना क्रय केन्द्र बनाया गया हैं। जहां से एक ट्रक पर गन्ना लादकर बजाज चीनी मिल अठदमा जा रहा था। अभी ये ट्रक सरयू नहर खंड चार के पडिया नहर के पास बने पुल पर पहुंचा ही था कि पुल से पडिया गांव में 11 हजार वोल्ट का विद्युत तार गया हैं। इसी तार में गन्ना फंस गया। जिससे विद्युत तार व एक पोल टूटकर जमींदोज हो गया।

गनीमत रहा कि उस दौरान आपूर्ति नहीं थी, वर्ना बहुत बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। तार टूटकर सड़क पर गिरा गया, जिससे बिजली सप्लाई होने के डर से कुछ देर के लिए मार्ग भी बंद हो गया। सूचना पर पहुँचे विद्युत सब–स्टेशन गाऊंखोर के संविदा लाइनमैन जगदीश प्रसाद ने शटडाऊन लेकर तार को हटाया। इन लोगों द्वारा गांव की विद्युत आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा हैं।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के परसा लंगड़ा गांव में एक 28 वर्षीय विवाहिता कुसुम देवी पत्नी अरबिंद कन्नौजिया की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। सूचना पर नायब तहसीलदार पूजा वर्मा, प्रभारी निरीक्षक उपेंद्र मिश्र फोरेसिंक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक कुसुम के ससुर फूलराम ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि रात में बहू भोजन बनाने के बाद अपने कमरे में सोने चली गई। छह वर्षीय पोता आर्यन मेरे साथ सोया था। सुबह छह बजे जब बहू नहीं जगी तो मैंने उसे आवाज लगाई। कोई हलचल नहीं होने पर कमरे में देखा तो कुसुम छत के कुंडे से साड़ी के सहारे फंदा बनाकर लटक गई थी। हड़बड़ाहट में आनन–फानन शव को नीचे उतारकर इसकी सूचना उसके मायके के लोगों को दी। द्वारिका चक गांव से उसके मायके वाले आ गए।

कुसुम के पति अरविंद की दो शादी हुई है। एक पत्नी उसके साथ मुम्बई में है और कुसुम की शादी बीते अप्रैल माह में कोर्ट मैरिज किया था। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक उपेंद्र मिश्र ने बताया कि शव को पीएम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कारवाई की जाएगी।

संसद में गूंजा किसान, बांग्लादेश में हिन्दु उत्पीड़न का मुद्दा

नई दिल्ली (आभा)। शीतकालीन सत्र के आठवें दिन बुधवार सुबह 11 बजे लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही फिर से शुरू हुई। दोनों सदनों में आज सामान्य रूप से कामकाज हुआ। हालांकि, विपक्ष का कुछ मुद्दों को लेकर हंगामा भी देखने को मिला। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बॉयलर अधिनियम, 1923 को बदलने के लिए राज्यसभा में बॉयलर विधेयक, 2024 पेश किया। बुधवार को संसद के दोनों सदनों में प्रश्नकाल के दौरान अपेक्षाकृत सुचारु कार्यवाही देखने को मिली। विदेश मंत्री एस

जयशंकर ने हाल ही में एलएसी पर हुई सेनाओं की वापसी पर राज्यसभा को जानकारी दी और कहा कि भारत–चीन संबंधों में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। वहीं, केंद्र सरकार ने बताया कि कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु में बदलाव का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। विपक्षी सांसदों ने अदाणी मामले को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार और एक हिंदू पुजारी को गिरफ्तार करने का मुद्दा बुधवार को लोकसभा में उठाते हुए हेमा मालिनी समेत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कुछ सदस्यों ने पड़ोसी देश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध किया और संसद से एक प्रस्ताव पारित करने की भी मांग की। शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर और इस्कॉन संस्था एवं उसके अनुयायियों पर चरमपंथियों द्वारा किए जा रहे हमले निंदनीय हैं।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि देश में हर रेल यात्री को यात्रा टिकट पर 46 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाती है। उन्होंने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह भी कहा कि रेल मंत्रालय यात्रियों के लिए सब्सिडी पर हर साल 56,993 करोड़ रुपये की राशि खर्च करता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 1989 के रेलवे अधिनियम के साथ 1905 के भारतीय रेलवे बोर्ड अधिनियम को एकीकृत करने के प्रावधान वाला एक विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किया और कहा कि इसके पारित होने से रेलवे की क्षमता में इजाफा होगा। वैष्णव ने 'रेल संशोधन विधेयक, 2024' को सदन में चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया।

महायुति ने पेश किया सरकार बनाने का दावा फडणवीस बोले- मिलकर काम करेंगे

मुम्बई (आभा)। महाराष्ट्र में सीएम पद और सरकार गठन को लेकर चल रहा इंतजार बुधवार को खत्म हो गया। महायुति नेताओं ने महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया। महायुति में शामिल भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस, शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे और एनसीपी नेता अजित पवार ने राजभवन में राज्यपाल को विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा। इस दौरान राज्य के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और विजय रूपाणी भी मौजूद रहे। देवेंद्र फडणवीस पांच दिसंबर को महाराष्ट्र के सीएम पद की शपथ लेंगे।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमने राज्यपाल से मुलाकात की और राज्य में सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए समर्थन पत्र सौंपा। हमारे गठबंधन सहयोगी शिवसेना और एनसीपी ने राज्यपाल से अनुरोध किया है कि मुझे महायुति के सीएम के रूप में शपथ दिलाई जाए।

मण्डलायुक्त के औचक निरीक्षण में अनुपस्थित मिले अधिकारी, कर्मचारीः मनरेगा के कार्यों का सत्यापन कराने का निर्देश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुधौली का आकस्मिक निरीक्षण किया। लगभग पूर्वान्ह 11.00 बजे विकास खण्ड के निरीक्षण में उन्होने पाया कि अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी अजीत कुमार, ग्राम विकास अधिकारी अखिलेश कुमार चौधरी, शैलेंद्र कुमार, देवेश कुमार राय, परमात्मा प्रसाद चौधरी, तकनीकी सहायक असगर अली, सहायक विकास अधिकारी कृषि प्रेम नारायण मिश्र, सहायक विकास अधिकारी आईएसबी इंद्रेश कुमार यादव, बी पीआरडी नवनीत तिवारी, एडीओ पंचायत राजकुमार गौतम एवं एडीओ समाज कल्याण सोहेल खान अनुपस्थित पाये गये।

मण्डलायुक्त इस स्थिति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया की समस्त अनुपस्थित अधिकारियो–कर्मचारियों का स्पष्टीकरण जारी करें। उन्होने यह भी निर्देशित किया है कि रोस्टर के अनुसार सभी सहायक विकास अधिकारी एवं

पंचायत सेक्रेटरी की उपस्थिति खंड विकास कार्यालय पर सुनिश्चित करें तथा छोटे–छोटे कार्य के लिए आने वाले लोगों की समस्याओं का तत्काल समाधान कराये। उन्होने कहा कि मनरेगा के अंतर्गत कराये जा रहे कार्यो का रेंडमली सत्यापन भी कराया जाना सुनिश्चित करें।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण में उन्होने पाया कि एमओआईसी डॉ. एके मिश्रा, डेंटिस्ट डॉ. संजय कुमार, डॉ. अमित पटेल तथा फार्मासिस्ट एहसान हुसैन सहित अन्य कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहें। उन्होने पंजीकरण पटल, स्टोर महिला वार्ड, सराय वार्ड, प्रयोगशाला आदि को देखा, जो संतोषजनक है तथा दवाएं भी उपलब्ध पायी गयी। उन्होने टीका लगवाने आयी रोजी मेहरुन्निसा निवासी रूद्र नगर से पूछा कि यहां पर उसे दवा और चिकित्सा की सुविधा आसानी से प्राप्त होता है कि नही तो उनके द्वारा बताया गया कि पूर्व में भी दवा के लिए आती हूँ और आसानी से चिकित्सा सुविधा व दवा प्राप्त हो जाती है।

मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने अपरान्ह 12.30 बजे तहसील रुधौली का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय तहसीलदार रवि कुमार, नायब तहसीलदार एवं राजस्व निरीक्षक सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहें। उप जिलाधिकारी के संबंध में उन्हें बताया गया कि वे मुख्यालय पर आयोजित लेखपाल ट्रेनिंग में गए हैं। मण्डलायुक्त ने मौके पर उपस्थित तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, नायब तहसीलदार एवं पेशकार को बताया कि धारा 24 के प्राप्त आवेदन पत्रों की समीक्षा करने के उपरांत समस्त प्रपत्र पूर्ण होने पर ही उसे जांच क्षेत्र राजस्व निरीक्षक एवं तहसीलदार को प्रेषित किया जाए। राजस्व निरीक्षक जांच के समय यह सुनिश्चित करें की चौहद्दी के सारे काश्तकारों को सूचित करते हुए एवं उनकी उपस्थिति में प्रथम पैमाइश कराये ताकि कार्रवाई में कोई आपत्ति ना आए।

इसी प्रकार बेदखली के वादों में निर्देशित किया गया कि आदेश प्राप्त बेदखली की कार्रवाई तत्काल सुनिश्चित कराई जाए। इस संबंध में उन्होने निर्देशित किया है कि नियमो का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । बुधवार को बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं के ऊपर अत्याचार के विरोध में हिंदू रक्षा संघर्ष समिति के साथ विभिन्न हिंदू संगठनों ने लाल बहादुर शास्त्री चौक झंडा चौराहे से कंपनी बाग तहसील गेट से होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय तक प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में कहा गया है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार तत्काल बंद किए जाएं इस अमानवीय अत्याचार को हिंदू समाज के लोग कदापि स्वीकार नहीं करेंगे। पीड़ित हिंदू, जैन , बौद्ध, सिक्ख एवं अन्य अल्पसंख्यक परिवारो के उनके व्यवसाय और धार्मिक स्थलों, की सुरक्षा की जाए। बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों के द्वारा हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर बर्बरतापूर्वक व्यवहार हो रहे हैं, हत्या लूट आगजनी और महिलाओं से बलात्कार, लूट, जबरन धर्मांतरण इत्यादि अमानवीय अत्याचार से बांग्लादेश का अल्पसंख्यक समुदाय पीड़ित है। कहा गया कि बांग्लादेश में हो रहे हैं इस वीभत्स अत्याचार पर वहां की सरकार मूकदर्शक बनी है और किसी भी प्रकार से अल्पसंख्यक समुदाय के हित के लिए कोई प्रयास नहीं किया रहा है। इस्कॉन मंदिर के पूज्य महंत सन्यासी चिन्मय कृष्णदास जी को वहां की सरकार द्वारा जेल भेजना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर पूरे देश में रोष है, विभिन्न मीडिया श्रोतों से जानकारी हुई कि बांग्लादेश में हिंदुओं का उत्पीड़न अभी भी जारी है। अतः भारत सरकार से भी अपील की गई है कि वह बांग्लादेश सरकार से अविलम्ब हिन्दुओं की सुरक्षा के सम्बन्ध में कठोर से कठोर कदम उठाए।

बांग्लादेशी हिंदुओं के सम्मान में बस्ती के विभिन्न हिंदू संगठन विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, गायत्री परिवार, आर्य समाज, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, भारतीय मजदूर संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ,संस्कार भारती, सनातन धर्म संस्था ,सेवा भारती ,रामकृष्ण मिशन,दुर्गा वाहिनी, अधिवक्ता परिषद, चित्रांश क्लब सहित बड़ी संख्या में संगठनों के लोग तथा समाज के असंख्य लोगों ने रैली में शामिल होकर विरोध प्रदर्शन किया। अधिकांश हिंदू संगठन के लोग हाथों में भगवा पताका ,हाथों में तख्ती लेकर विरोध प्रदर्शन के द्वारा अपना आक्रोश व्यक्त किया और चेतावनी दिया कि यदि हिंदुओं पर उत्पीड़न बंद ना हुआ तो बांग्लादेश को भारी परिणाम भुगतने होंगे।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ बुद्धि शुद्धि यज्ञ के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिनेश राम (विद्या भारती गोरक्ष प्रांत के अध्यक्ष) रहे।

मंच पर उपस्थित लोगों में स्वामी चिन्मयानंद दास (महाराज कटरा कुटीर अयोध्या), कैलाश दुबे (प्रबंधक इंडियन पब्लिक स्कूल), ओमप्रकाश आर्य (जिला प्रभारी आर्य समाज), हर्षदीप (गुरुद्वारा ग्रंथि कमेटी कंपनी बाग), प्रभु प्रीत (गांधीनगर गुरुद्वारा कमेटी प्रधान प्रमुख), योगीता, बाबा लाल दास (महंत कबीरमठ मूड़घाट बस्ती), राम प्रसाद तिवारी (गायत्री परिवार बस्ती) शगुन सिंह ने भी लोगों को संबोधित किया। अंत में वरिष्ठ समाजसेवी आशीष ने सहयोग के सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

संभल नहीं जा सके राहुल–प्रियंका गाजीपुर– दिल्ली बार्डर से लौटाये गये

गाजीपुर (आभा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को संभल जाने से रोककर उत्तर प्रदेश पुलिस ने दिल्ली–यूपी बॉर्डर से ही लौटा दिया। दिल्ली–यूपी के बीच गाजीपुर सीमा पर राहुल और प्रियंका कांग्रेस के दूसरे नेताओं के साथ सुबह 10.40 बजे पहुंच गए थे और अगल दो घंटे तक वहीं जमे रहे। इस दौरान पुलिस से राहुल और प्रियंका की कई राउंड बात हुई लेकिन बात नहीं बनी। राहुल ने पहले अपने साथ चार लोगों को ले जाने की इजाजत मांगी लेकिन पुलिस ने मना कर दिया। फिर राहुल ने पुलिस से कहा कि वो अकेले जाने को तैयार हैं और पुलिस ही उनको संभल ले चले लेकिन ये प्रस्ताव भी सरकार ने ठुकरा दिया। इसके बाद राहुल, प्रियंका के काफिले को यू–टर्न लेकर दिल्ली लौटने के लिए यूपी में घुसने दिया गया और मेरठ एक्सप्रेसवे पर थोड़ी ही दूर पर बने इंदिरापुरम अंडरपास से घुमाकर दिल्ली लौटा दिया गया।

राहुल गांधी के संभल दौरे को लेकर सुबह–सुबह ही पुलिस ने दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे पर बैरिकेड लगा दिया था। इसकी वजह से ट्रैफिक स्लो हो गया और सड़क पर कई किलोमीटर लंबा जाम भी लग गया। 24 नवंबर को संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के बाद भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी। उसके बाद से संभल के अंदर और बाहर सियासी माहौल गर्म है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत अन्य नेताओं ने मंगलवार को संसद

में भी इस मसले को उठाया। सोमवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय समेत अन्य कांग्रेसी नेताओं को पुलिस ने लखनऊ में ही रोक लिया था। सपा के नेता और नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल को भी लखनऊ में ही रोका गया था। संभल प्रशासन ने बाहरी नेताओं के आने पर रोक लगा रखी है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यहां बुधवार को गाजीपुर बार्डर पर रोके जाने के बाद कहा कि वह पुलिस के साथ अकेले संभल जाने को तैयार हैं लेकिन उन्हें इसकी भी अनुमति नहीं दी जा रही है। साथ ही कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें संभल जाने से रोका जाना लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनके विशेषाधिकारों का हनन है। संभल रवाना होने के बाद दिल्ली. गाजीपुर सीमा पर पुलिस द्वारा रोके जाने के पर राहुल ने संवाददाताओं से कहा, हम संभल जाने की कोशिश कर रहे हैं, मगर पुलिस मना कर रही है। लोकसभा में नेता विपक्ष के नाते मेरा अधिकार बनता है कि मैं वहां जा सकता हूं। मगर तब भी वह मुझे रोक रहे हैं। यह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के मेरे अधिकार के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि मैंने कहा है कि मैं अकेला जाने को तैयार हूं... पुलिस के साथ जाने को तैयार हूं मगर उन्होंने वह भी बात नहीं मानी और अब कह रहे हैं कि कुछ दिन बाद वह हमें जाने देंगे। राहुल ने संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा, कि यह (संभल जाने से रोका जाना) लोकतंत्र के खिलाफ है। हम संभल जाकर देखना चाहते हैं कि वहां क्या हुआ। हम लोगों से मिलना चाहते हैं लेकिन मेरा जो संवैधानिक अधिकार है, मुझे उससे वंचित किया जा रहा है। यह संविधान को खत्म करने वाला हिंदुस्तान है। अंबेडकर जी के संविधान को खत्म करने वाला हिंदुस्तान है। मगर हम लड़ते रहेंगे।

पूर्व विधायक संजय प्रताप ने बीडीओ रूधौली पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोपः मुख्यमंत्री से जांच की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । रूधौली विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर खण्ड विकास अधिकारी, रुधौली, द्वारा क्षेत्र के तमाम विकास कार्यों में किये गये भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी एवं फर्जी भुगतान की जांच कराकर प्रभावी कार्यवाही का आग्रह किया है।

भेजे पत्र में संजय प्रताप ने कहा है कि विधानसभा क्षेत्र रुधौली अन्तर्गत विकास खण्ड– रुधौली में क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान उनके संज्ञान में खण्ड विकास अधिकारी–रुधौली के द्वारा विभिन्न कार्यों में भ्रष्टाचार तथा धरातल पर बिना कार्य कराये लाखो रूपये का फर्जी भुगतान, विकास कार्यों के भुगतान में कमीशनखोरी आदि अनियमिताये किये जाने का मामला आया है। उन्हें बताया गया है कि राम जानकारी मन्दिर नहुआ व ओस गिरिनाथ धाम में लगने वाला आरोवाटर प्लान्ट को व्यतिगत रूप से लगवाते हुए भुगतान हुआ है। केरौना गांव सहित क्षेत्र के अन्य ग्रामो में ग्राम पंचायत से हुए कार्य का भुगतान क्षेत्र पंचायत से हुआ। हसनी में नदी पर बांध निर्माण कार्य, जोधीजोत में साधन सहकारी समिति का मरम्मतीकरण कार्य, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में मरम्मत कार्य को बिना कराये ही लाखो रूपये का फर्जी भुगतान कराया गया है। बीडीओ रुधौली द्वारा ब्लाक कन्ट्रीजेन्सी का लाखो रूपये का भुगतान गलत तरीके से गैर जनपद गोण्डा के पुष्पा कान्ट्रेक्शन के नाम पर किया गया है जबकि जनपद में कई फर्म संचालित है। बहु उद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लिए रानीपुर का मरम्मतीकरण कार्य में फर्जी भुगतान और गनवरिया कला मेन रोड से महेश के खेत तक सीसी रोड निर्माण में फर्जी भुगतान हुआ है। रायठ पिच रोड से सुबाष के घर तक एवं हसनी में फिरोज अली के घर से अब्दुल सलमान के घर तक इण्टर लॉकिंग, भरौली में नहर से गोली के घर तक पचारी कला में कनिक राम के घर से राम बुझारत के घर तक इण्टर लॉकिग , विकास खण्ड में सोलर पैनल मरम्मतीकरण एवं परिसर में गिट्टी पटाई के नाम पर फर्जी भुगतान किया गया है।

पूर्व विधायक ने पत्र में कहा है कि बीडीओ रुधौली द्वारा भ्रष्टाचार करते हुए करीब 52 लाख रूपये का फर्जी भुगतान कर राजस्व को आर्थिक क्षति पहुंचाई गयी है। उन्होने मांग किया है कि विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कराकर प्रभावी कार्यवाही कराया जाय।

डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' कृत चांशनी को मिला पुरस्कार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । मैत्रेय ग्लोबल फाउन्डेशन द्वारा वरिष्ठ कवि डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' कृत चांशनी के लिये इसरारी देवी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रेस क्लब लखनऊ के सभागार में आयोजित साहित्यिक समारोह में डॉ. जगमग को अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र और 10 हजार रूपये की नकद धनराशि देकर उत्साहवर्धन किया गया।

'चाशनी' से लेकर ' किसी की दिवाली किसी का दिवाला' विलाप खण्ड काव्य, 'हम तो केवल आदमी है' ' सच का दस्तावेज' खुशियों की गौरैया, 'बाल सुमन' बाल स्वर, आदि कृतियों के रचयिता डॉ. जगमग कृत चांशनी का अब तक 6 संस्करण प्रकाशित हो चुका है। चांशनी का प्रथम संस्करण 1972 में प्रकाशित हुआ था।

चाशनी को पुरस्कृत किये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये चिकित्सक एवं साहित्यकार डा. वी. के. वर्मा ने कहा कि डा. जगमग ने जहां स्वयं अनेकों कृतियां समाज को दिया वहीं वे पूर्वान्चल में समर्थ कवियों की पीढी तैयार कर रहे हैं. निश्चित रूप से यह कठिन कार्य है, नई पीढी उनसे बहुत कुछ सीख सकती है। डा. जगमग का रचना संसार जन सरोकारों से जहां सीधा जुड़ा है वहीं उनके कटाक्ष और तीखे व्यंग्य श्रोताओं की जुबान पर चढ़े हुये है। चाशनी अनूठी कृति है जिसकी उपयोगिता सदैव बनी रहेगी। वे चाशनी से ही दुमदार दोहों के जनक माने जाते हैं।

सम्मान से अभिभूत डा. जगमग ने कहा कि उन्होने जिस तरह से जीवन को देखा उसे शव्दों में उतार दिया. यह क्रम अनवरत जारी है।

डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को सम्मानित किये जाने पर विनोद कुमार उपाध्याय, डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, बी.के. मिश्र, डा. अफजल हुसेन 'अफजल', पेशकार मिश्र, अर्चना श्रीवास्तव, दीपक सिंह प्रेमी, शाद अहमद शाद, जगदम्बा प्रसाद 'भावुक' डा. आर.जी. सिंह आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 5 दिसम्बर 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

वित्तीय संकट से जूझते राज्य

सत्ता हासिल करने के लिये शॉर्टकट रास्ता अख्तियार कर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की कीमत अब पंजाब और हिमाचल चुका रहे हैं। दोनों राज्य फिलहाल गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। निश्चित तौर पर यह आर्थिक संकट चुनावी अभियानों के दौरान किए गए लोकलुभावन वायदों के चलते ही उत्पन्न हुआ है। जिसके कारण पिछले दिनों हिमाचल में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने में व्यवधान देखा गया। पंजाब में विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने मतदाताओं को तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का वायदा किया था। सत्ता में आने पर राज्य सरकार ने अपने वायदे को अमली जामा पहनाया। जिसके चलते चालू वित्त वर्ष के लिये बीस हजार करोड़ से अधिक सब्सिडी बिल आया है। इसी तरह कांग्रेस के नेतृत्व वाली हिमाचल सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को खुश करने के लिये पुरानी पेंशन लागू करने का वायदा किया। यह तय था कि इस घोषणा से राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस आसन्न संकट को महसूस करते ही विगत में केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन योजना से हाथ खींच लिया था। लेकिन अब हिमाचल सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस को पुनर्जीवित करने से, पहले से ही संकटग्रस्त सरकारी खजाने पर एक बड़ा बोझ और बढ़ गया है। वहीं पंजाब में सब्सिडी भुगतान में देरी से पंजाब की स्थिति और खराब हो गई है। लंबित बिल साढ़े चार हजार करोड़ से अधिक हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल की बिल संग्रह दक्षता में भारी गिरावट आई है। दरअसल, पीएसपीसीएल पहले ही ट्रांसमिशन घाटे में वृद्धि के संकट से जूझ रहा है। हालांकि, पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिजली के बिल के बकायादारों और कतिपय सरकारी विभागों से बकाया धनराशि वसूलने से राजस्व बढ़ाने के प्रयासों में कुछ राहत जरूर मिली है। लेकिन कुल मिलाकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जिसकी कीमत कालांतर राज्य की आर्थिकी को ही चुकानी होगी।

निश्चित तौर पर पंजाब को मुफ्त की बिजली देने से उत्पन्न संकट से जल्दी राहत मिलने के आसार नजर नहीं आते। राज्य फिलहाल उधार हासिल करने की सीमा के करीब पहुंच गया है। जिसके चलते मुफ्त बिजली योजना चलती रह सकेगी, इसमें संदेह है। कमोबेश हिमाचल प्रदेश भी ऐसे ही संकट से दो चार है। राज्य की वित्तीय बदहाली इस बात की गवाह है। पुरानी पेंशन योजना की बहाली ने राज्य के वित्तीय दायित्वों को बढ़ा दिया है। जिसके चलते वेतन और पेंशन से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये मासिक रूप से दो हजार करोड़ की अतिरिक्त आवश्यकता होती है। जो वित्तीय दिक्कतों की अंतहीन शृंखला को जन्म दे रही है। राज्य 6200 करोड़ की अपनी ऋण सीमा समाप्त होने के बाद, अपने रोजमर्रा के खर्चों को प्रबंधित करने के लिये भविष्य की उधारी पर निर्भर होता जा रहा है। आर्थिक मामलों के जानकार चिंता जता रहे हैं कि राज्य की आर्थिक स्थिति और खराब हो सकती है क्योंकि अगले वित्तीय वर्ष में केंद्र का राजस्व घाटा अनुदान आधा होने की बात कही जा रही है। वहीं अपनी लोकलुभावनी नीतियों के दुष्प्रभावों को नजरअंदाज करके दोनों राज्यों की सरकारों ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर फंड रोकने और भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप ही लगाया है। वहीं दूसरी ओर पूंजी निवेश योजना के लिये विशेष सहायता से हिमाचल को बाहर किए जाने पर तल्ख राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ ऐसे ही पंजाब सरकार भी विकास निधि के आवंटन में पक्षपात का आरोप केंद्र सरकार पर लगाती रही है। जबकि यह एक हकीकत है कि चुनावी लोकलुभावनवाद से प्रेरित अस्थिर राजकोषीय नीतियां ही संकट के मूल में हैं। यह टकसाली सत्य है कि राज्य सरकारें बढ़ते कर्ज और घटते राजस्व के चलते वित्तीय संकट से जूझ रही हैं। यह वक्त की दरकार है कि राज्य सरकारें अपना ध्यान खैरात बांटने के बजाय संरचनात्मक सुधारों पर केंद्रित करें। दरअसल, राज्यों को वित्तीय संकट से उबारने के लिये राजकोषीय विवेक, कुशल कर संग्रह और तार्किक सब्सिडी समय की मांग है।

मंदिर, मस्जिद विवाद में दीवारें उठी तो छोटा होगा हमारा आंगन

–विश्वनाथ सचदेव–

संभल की जामा मस्जिद का विवाद अभी सुलग ही रहा था कि अजमेर की दरगाह को भी विवाद के घेरे में उलझा दिया गया है। कहा जा रहा है कि यह दरगाह भी किसी हिंदू मंदिर को ढहा कर बनायी गयी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश में कई मस्जिदें मंदिरों के ऊपर बनायी गयीं। वह हमारे इतिहास का हिस्सा है। यह काम न होता तो अच्छा था। मंदिर अपनी जगह बने रहते, मस्जिदें अपनी जगह बनतीं। लेकिन इतिहास इस बात का साक्षी है कि विजेता पक्ष अपनी महत्ता और ताकत को साबित करने के लिए इस तरह के दंभपूर्ण काम करता है। अपने ही देश में एक धर्म के मंदिर ढहा कर दूसरे धर्म का पूजा स्थल बनाये जाने के ढेरों उदाहरण हैं। न जाने कितने बौद्ध मंदिर हिंदू मंदिरों को ढहा कर बने थे, और इसका विपरीत काम भी हुआ था।

निःसंदेह, धर्म के नाम पर यह 'लड़ाई' निंदनीय ही कही जा सकती है। यह भी समझना होगा कि इस तरह की लड़ाई अनंतकाल तक नहीं चल सकती। कहीं तो इस पर पूर्ण–विराम लगना ही चाहिए था। स्वतंत्र भारत के नेतृत्व में आजादी पाने के दिन अर्थातद्द 15 अगस्त, 1947 यह पूर्ण–विराम घोषित कर दिया। हमारी संसद ने वर्ष 1991 में एक कानून बनाकर यह तय कर दिया कि देश के सभी धार्मिक स्थल उसी रूप में रहेंगे जो सनद्द 15 अगस्त, 1947 को थादृ सिर्फ बाबरी मस्जिद के प्रकरण को इससे बाहर रखा गया था, क्योंकि यह विवाद तब न्यायालय में पहुंच चुका था। बहरहाल, अब वह विवाद नहीं रहा, अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है। उम्मीद की गयी थी कि इसके साथ ही 'इतिहास को ठीक' करने का तर्क भी समाप्त हो जायेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने तो स्पष्ट कहा था कि मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने की कवायद बंद होनी चाहिए। पर ऐसा हुआ नहीं। कहना चाहिए ऐसा होने नहीं दिया जा रहा। कुछ तत्वों से जुड़े लोग चाहते हैं, कि इस विवाद की आंच जलती रहे। संभल और अजमेर में यही आंच जलाये रखने की कोशिश हो रही है। इससे, किसे क्या लाभ होगा यह वही जाने, पर नुकसान सारे देश को हो रहा है। अतीत के 'अपराधों' को ठीक करने के नाम पर हम अपने भविष्य के प्रति 'अपराध' किये जा रहे हैं!

संविधान की मूलभूत भावना की रक्षा के लिए हमने 'पूजास्थल कानून' बनाया था। तय किया था कि अब किसी पूजा स्थल में किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं होगा। स्पष्ट है, यह बीती को बिसार के आगे की सुधि लेने वाला निर्णय था। ताकि भविष्य सुरक्षित रहे, बेहतर हो। अब इस महत्वपूर्ण निर्णय को स्वयं न्याय व्यवस्था नकारती–सी दिख रही हैं। पहले वाराणसी में, और अब संभल में मस्जिदों के नीचे दबे मंदिरों की न्यायिक जांच करने का आदेश देकर जैसे किसी बांध का दरवाजा खोल दिया है।

इस संदर्भ में भीड़–तंत्र सांप्रदायिकता को ही हवा दे रहा है। इसके अलावा और क्या मतलब हो सकता है 'वोट जिहाद' जैसे नारों का? यही नहीं, 'बंटेंगे तो कटेंगे' जैसे नारे वोट भले ही दिलवा दें, पर इससे देश में सांप्रदायिक सौहार्द पर आंच ही आयेगी। आज आवश्यकता सांप्रदायिकता की आग पर पानी–मिट्टी डालने की है, लेकिन एक तरह से विवाद को भड़काया ही जा रहा है। 'मेरा मंदिर, तेरी मस्जिद' वाला यह खेल अब बंद होना ही चाहिए। विभाजन के बाद जो अल्पसंख्यक 'अपना वतन' छोड़कर पाकिस्तान नहीं गये थे, उनकी देशभक्ति पर उंगली उठाना सही नहीं है। अब भी कभी–कभी हमारे कुछ नेता देश के मुसलमानों को पाकिस्तान जाने की सलाह देकर शायद उन्हें यह जताना चाहते हैं कि वे भारत में अवश्य हैं, पर भारत के नहीं हैं। इस तरह की भावना भड़काने वाले गलत ही कर रहे हैं।

देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल ने संविधान सभा में 'अल्पसंख्यक रिपोर्ट' पेश करते हुए एक चेतावनी दी थी देश के बहुसंख्यकों को। उन्होंने कहा था यह हम बहुसंख्यकों को समझना है कि अल्पसंख्यक समुदाय क्या अनुभव कर रहा होगा और यह भी कि हमारे बारे में भी वही सोचा जाये जैसा अल्पसंख्यकों के बारे में सोचा जा रहा है तो हमें कैसा लगेगा?' यह प्रश्न नहीं था, चेतावनी थी जो सरदार पटेल ने देश के बहुसंख्यकों को दी थी। और यह आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी 1949 में थी, जब लौह पुरुष सरदार पटेल ने देश को सांप्रदायिकता के खतरे से आगाह किया था। आजादी के इन 75 सालों में ऐसे बहुत मौके आये हैं जब हमने 'ईश्वर एक है' की अपनी मान्यता को विश्व के समक्ष एक आदर्श के रूप में रखा है। यदि हम इस बात को मानते हैं तो फिर ऐसा कुछ बचा नहीं रहता जो धर्म के आधार पर हमें बांटे। आज संभल या अजमेर जैसे मुद्दे उठाकर हमारी वसुधैव कुटुंबकमद्द वाली मान्यता को चुनौती दी जा रही है। सारे विश्व को एक परिवार मानने वाला हमारा दर्शन किसी को पराया नहीं, अपना मानने का ही मंत्र देता है। विवेक का तकाजा है कि हम हिंदू–मुसलमान, सिख या ईसाई में मनुष्य को बांटने की प्रवृत्ति को पूरी ताकत से नकारें। जुड़ना सिर्फ हिंदुओं को नहीं है, देश के हर नागरिक को जुड़ना हैदृ एक भारतीय नागरिक के रूप में जुड़ना है। संभल में जो हो रहा है अथवा अजमेर में जो किये जाने की कोशिश की जा रही है, वह हमें जोड़ेगी नहीं, सिर्फ तोड़ेगी। बांटेगी।

सर संघचालक मोहन भागवत की इस बात को अमल में लाने की आवश्यकता है कि मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने की कवायद अब बंद होनी चाहिए। भागवत से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह अपने इस महत्वपूर्ण कथन को अमल में लाने का वातावरण तैयार करें। अपने अनुयायियों को समझाएं कि देश के हर नागरिक का देश पर समान अधिकार है, और यह भी कि हर नागरिक का यह कर्तव्य बनता है कि वह देश– हित के बारे में सोचे, देश–हित को सर्वोपरि माने।

मंदिर–मस्जिद वाला यह खेल अब बंद होना चाहिए। धार्मिक–स्थलों वाला 1991 वाला कानून देश में ईमानदारी के साथ लागू होना चाहिए। न्यायिक व्यवस्था से भी यही अपेक्षा की जाती है कि वह कानून के पालन का वातावरण बनाने में योगदान दें, न कि विवादों को हवा देने का काम करें। वर्ष 1991 में हमने मंदिर–मस्जिद के नाम पर होने वाले विवादों को समाप्त करने का एक सार्थक प्रयास किया था, उस प्रयास को धार देने की जरूरत है, उसे भुलाकर हम भविष्य के प्रति अपने कर्तव्य को ही भुला रहे हैं।–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दिल्ली सल्तनत पर बार-बार किसानों की चढ़ाई क्यों..!

– डॉ. रमेश ठाकुर–

अन्नदाताओं की समस्याओं का समाधान आखिर कब होगा? क्या उनकी मांगे भविष्य में कभी पूरी हो भी पाएंगी या नहीं? केंद्र में सरकार चाहे कांग्रेस की हो या भाजपा की, हर दौर में यही सब कुछ देखने को मिलता है। कमोबेस, सरकारों का रवैया सदैव एक जैसा ही रहता है। इसलिए एकाएक किसी सरकार को दोषी ठहराना किसी टिप्पणीकार के लिए बेईमानी सा होता है। किसान आंदोलनों से जो समस्याएं उपजती हैं, उसका खामियाजा सिर्फ और सिर्फ आमजन ही भुगतते हैं। समस्याएं किस कदर पनपती हैं इस ओर शायद किसी का भी ध्यान नहीं जाता। मरीज, छात्र, राहगीर, दैनिक कर्मी तो बेहाल होते ही हैं, रोजमर्रा के क्रियाकलाप भी रुक जाते हैं। दो दिसंबर को भी यही हुआ, जब किसान उत्तर प्रदेश के एक छोर से चले, तो सड़कों पर दौड़ने वाले तेज वाहनों के पहिए थम गए। क्या मरीज, क्या नौकरीपेशा, सभी के पैर अपने जगह रूक गए।

दरअसल, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसान संगठनों ने एक बार फिर दिल्ली पर चढ़ाई करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करने से उन्हें बलपूर्वक बॉर्डरों पर ही रोका गया है। पर, हालात दिल्ली–एनसीआर के एक बार फिर बिगड़ते दिखाई पड़ने लगे हैं। इस दफे भी किसानों के तेवर उग्र दिख रहे हैं। अन्नदाता लंबा आंदोलन करने के मूड़ में दिखाई पड़ते हैं। इतना तय है, अगर उनकी समस्याओं का समाधान समय रहते नहीं हुआ, तो हालात पिछले किसान आंदोलन जैसे बनने में वक्त नहीं लगेगा। किसान केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को बीते एक महीने से अल्टीमेटम दे रहे थे कि उनकी मांगे मानी जाएं, उनसे बात करे कोई जिम्मेदार व्यक्ति, जिससे दोनों पक्ष बैठकर कोई हल निकाल सकें। लेकिन उनकी बातों को हुकूमती स्तर पर एक बार भी अनसुना और अनदेखा किया गया।

दिल्ली पहुंचने के लिए गौतमबुद्ध नगर से करीब 50,000 से अधिक किसान सोमवार सुबह यानी दो तारीख को नोएडा महामाया फ्लाईओवर के पास एकत्रित हुए, फिर उन्होंने दिल्ली कूच का प्लान किया, हालांकि तत्काल रूप से तो पुलिस ने उनकी योजना को विफल कर दिया है। लेकिन किसान बॉर्डर पर ही डटे हुए हैं, वह किसी भी सूरत में दिल्ली पहुंचना चाहते हैं। उनको लगता है संसद का शीत सत्र चालू है। पूरी हुकूमती मशीनरी इस समय एक साथ है, उनकी बातें आसानी से पहुंच सकती है। पर, ऐसा होता दिख नहीं रहा। केंद्र सरकार इतनी आसानी से सबकुछ मान लेगी, ऐसा भी दिखाई नहीं पड़ता। इसलिए किसान भी काफी उग्र हैं। अपने साथ लंबे आंदोलन को करने के लिए तामझाम लेकर पहुंच हैं। राशन, टैक्टर, मोटरसाइकिल, गैस सिलेंडर, तंबू आदि है उनके पास।

किसानों ने दिल्ली मार्च का प्लान अचानक से ही बनाया। पहले की प्री–प्लान नहीं थी। क्योंकि किसान अपनी विभिन्न मांगो को लेकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण पर पिछले कुछ दिनों से धरनागत थे। उनकी प्रमुख मांगे हैं, उन्हें जमीन के बदले 10 पर्सेंट निर्मित प्लॉट और 64 पर्सेंट बढ़ा हुआ जमीन का शेष मुआवजा दिया जाए। साथ ही जितने किसान जमीन छिन जाने से भूमिहीन हुए हैं, उनके परिवार के बच्चों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार कोई न कोई रोजगार जैसी वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जाएं, इसके अलावा एमएसपी गारंटी कानून लागू करें। फसलों की कीमतें डबर हों, खाद, बीज व कीटनाशक दवाईयों के रेट कम किए जाएं जैसी पुरानी मांगे भी उनकी बरकरार हैं। इस वक्त मंड़ियों में धान की खरीद में जो घटतौली हो रही है उसे तुरंत रोका जाए। ये मांगे ऐसी जिसे शायद ही सरकारें मांगे।

प्रतीत ऐसा होता है कि ये किसान मूवमेंट भी बडा रूप ले सकता है। अभी तक गनीमत ये समझी जाए, इस मोर्चे में सिर्फ दर्जन भर ही किसान संगठन शामिल हुए हैं। हालांकि बाहर से करीब सौ से ज्यादा किसान संगठनों का समर्थन प्राप्त है। मोर्चे को रोकने को अगर कोई जल्द विकल्प नहीं निकाला गया, तो अन्य किसान संगठन भी कूदने में देर नहीं करेंगे। हांलाकि सोमवार को किसान मोर्चे को देखते हुए नोएडा ट्रैफिक पुलिस और दिल्ली पुलिस की ओर से एडवाइजरी की गई जिसमें कालिंदी कुंज बॉर्डर, यमुना एक्सप्रेस–वे और डीएनडी बॉर्डर से बचने की लोगों को सलाह दी गई, क्योंकि इन जगहों पर मोर्चे का असर व्यापक रूप से देखने को मिला। लोग अनचाई परेशानी से जूझते दिखाई पड़े, स्कूली बच्चों भी जाम में फंसे रहे, एमबूलेंस भी नहीं निकल पाईं। नौकरीपेशा समय से अपने कार्यालयों में नहीं पहुंच पाए। ये हालात ऐसे ही बने रहेंगे, जब तक ये मूवमेंट चलता रहेगा।

किसान मूवमेंट शुरू होने के कुछ घंटों बाद ही राजनीति भी आरंभ हो गई। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपना समर्थन दे दिया। कांग्रेस ने कहा दिल्ली बॉर्डर पर बैरिकेडिंग, वाटर कैनन, दंगा नियंत्रण गाड़ियां और अमित शाह की पूरी पुलिस तैनात की गई। ऐसा प्रतीत होता है जैसे की उनको किसी आंतकवादी को रोकना या पकड़ना हो? किसान भूमि अधिग्रहण का उचित मुआवजा और फसल के सही दाम की मांग लेकर दिल्ली आकर सोती सरकार को जगाना चाहते हैं इसमें बुरा क्या है? वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से बयान आया जिसमें कहा गया कि राष्ट्र की राजधानी किसी की बपौती तो है नहीं? फिर किसान क्यों नहीं आ सकते? प्रधानमंत्री पर भी उन्होंने हमला किया। बोले, किसानों पर बर्बरता के नए आयाम रच रहे हैं प्रधानमंत्री। उनके दिल में अन्नदाताओं के लिए रत्ती भर सम्मान नहीं है। कांग्रेस का मानना है कि किसान अपनी जायज मांगों को लेकर दिल्ली आना चाहते हैं, उन्हें आने देना चाहिए, उनपर वाटर कैनन का प्रयोग करना गलत है। दरअसल, ऐसे मौकों पर विपक्ष का बिना सोचे समझे कूद पड़ना, 'आग में घी डालने' का काम कर जाता है। जबकि, उन्हें केंद्र सरकार पर दबाव बनाकर विकल्प और समाधान की ओर ध्यानाकर्षण करवाना चाहिए। ताकि सरकार आंदोलनकारियों से बात करने पर विवश हो? पर, दुर्भाग्य ऐसा हो नहीं पाता और न ही विपक्ष ऐसा प्रयास करता है।

उन्नत युद्धपोत और सामरिक क्षमता

-डा. लक्ष्मी शंकर यादव-

पाकिस्तान और चीन की रक्षा तैयारियों को देखते हुए भारतीय नौसेना को आक्रामक बनाया जा रहा है, विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती मौजूदगी का मुकाबला करने के लिए। भारतीय नौसेना अपनी ताकत बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है, ताकि भविष्य में वह और अधिक सक्षम और शक्तिशाली हो सके। समंदर में भारत की ताकत बढ़ाने के लिए नौसेना को इस माह के अंत तक एक नया गाइडेड मिसाइल युद्धपोत प्राप्त हो जाएगा। रूस द्वारा तैयार किए गए दो युद्धपोतों में से आईएनएस तुशील पहला है। रूस–यूक्रेन युद्ध के लंबे खिंचने के कारण इसकी प्राप्ति में विलंब हो गया। इसी युद्ध के कारण एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम और परमाणु पनडुब्बी की प्राप्ति में भी देरी होने की संभावना है। आईएनएस तुशील युद्धपोत ब्रह्मोस मिसाइलों सहित अत्याधुनिक हथियारों से लैस होगा। तुशील के मिलने के बाद अगले वर्ष आईएनएस तमल गाइडेड मिसाइल युद्धपोत भी मिल जाएगा। इन दोनों पोतों के नौसेना में शामिल होने से भारतीय नौसेना की ताकत काफी बढ़ जाएगी।

इन गाइडेड मिसाइल युद्धपोतों में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों सहित अत्याधुनिक घातक हथियार तथा सैन्य अभियानों को अंजाम देने के लिए सेंसर लगाए गए हैं। तुशील गाइडेड मिसाइल युद्धपोत इलेक्ट्रॉनिक युद्धकला से लैस है। इसमें एंटी सबमरीन रॉकेट और तारपीडो लगाए गए हैं। इसकी लंबाई लगभग 129 मीटर है। इसकी स्पीड 30 नॉटिकल मील प्रति घंटा है। तुशील का वजन 3600 टन से ज्यादा है। इसमें 180 नौसैनिक यात्रा कर सकते हैं।

भारत और रूस के बीच 2016 में चार तलवार क्लास के स्टील्थ फ्रिगेट बनाने का समझौता हुआ था, जिनमें से दो रूस और दो भारत में बन रहे हैं। भारत में विशाखापट्टनम क्लास का चौथा गाइडेड मिसाइल युद्धपोत और नीलगिरि फ्रिगेट जल्द ही नौसेना में शामिल होंगे। इन युद्धपोतों में ब्रह्मोस मिसाइलें तैनात हैं, जो लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम हैं। वर्तमान में भारतीय नौसेना के पास छह तलवार क्लास स्टील्थ फ्रिगेट्स हैं, जिनमें से चार ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस हैं। इन युद्धपोतों के शामिल होने से भारत की समुद्री ताकत में काफी वृद्धि होगी।

हाल ही में, भारतीय नौसेना ने 27 नवम्बर को के–4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। नौसेना ने यह परीक्षण परमाणु पनडुब्बी अरिघात से किया। अब इसका अपग्रेड वर्जन शीघ्र ही कमीशन किया जाना है। परमाणु पनडुब्बी अरिघात आईएनएस अरिहंत का अपग्रेडेड वर्जन है। इस पनडुब्बी को विशाखापट्टनम में नौसेना के शिपबिल्डिंग सेंटर में निर्मित किया गया था। अब अरिहंत की तुलना में 6000 टन वजन वाली अरिघात के नए वर्जन को के–4 मिसाइलों से लैस किया जाएगा। इस परीक्षण में के–4 मिसाइल अपने सभी तय मानकों पर खरी उतरी। पनडुब्बी से इस मिसाइल का यह पहला परीक्षण था। वर्ष 2010 से अब तक इसके कई परीक्षण किए जा चुके हैं। यह मिसाइल 10 मीटर लंबी और 20 टन वजन वाली है। यह एक टन वजन का पेलोड ले जाने में सक्षम है।

के–4 मिसाइलों की मारक दूरी 3500 किलोमीटर तक है। बंगाल की खाड़ी में इन मिसाइलों को तैनात करने से चीन के मेनलैंड और उसके दक्षिण व पश्चिमी इलाकों तक के क्षेत्र को निशाना बनाया जा सकेगा। यह अपनी मारक क्षमता के तहत चीन की राजधानी बीजिंग को भी निशाने पर ले सकती हैं। अरिघात 50 दिन से ज्यादा पानी के अंदर रह सकती है। इसलिए यह चीन के जासूसी जहाजों की नजरों से बचकर अपनी गतिविधियों को अंजाम दे सकती है। अगर पाकिस्तान से मुकाबले की बात आती है तो अरिघात में तैनात होने पर ये इस्लामाबाद को भी नेस्तनाबूद कर सकती है।

गौरतलब है कि भारत के पास पनडुब्बी से दागी जाने वाली मिसाइलों में कम दूरी की मारक क्षमता वाली के–15 मिसाइलें हैं। ये मिसाइलें 750 किलोमीटर की दूरी तक मार करने में सक्षम हैं। पनडुब्बी आईएनएस अरिहंत में ये मिसाइलें तैनात हैं। इसके अलावा भारत का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल के–5 पर काम कर रहा है। इसकी मारक दूरी 5000 किलोमीटर से भी ज्यादा होगी। इन सभी की तुलना में के–4 मिसाइलें ज्यादा सटीक, बेहतर एवं आसानी से ऑपरेट होती हैं।

नवम्बर, 2024 में ही गोला बारूद नौका एलएसएएम–12 यार्ड 80 नौसेना को प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि ऐसी कुल आठ नौकाओं के निर्माण के लिए विशाखापट्टनम की मैसर्स सेकॉन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया गया समझौता इस साल फरवरी में पूरा हो गया था। इन नौकाओं के नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल होने से उसकी परिचालन क्षमता में काफी वृद्धि हो जाएगी। इन नौकाओं को स्वदेशी रूप से डिजाइन करने के लिए भारतीय जहाज इंजीनियरिंग फर्म से सहयोग लिया गया। इसके अलावा नौसेना की विशाखापट्टनम की विज्ञान एवं तकनीकी प्रयोगशाला में इनका मॉडल तैयार किया गया जिससे इसकी समुद्री योग्यता का आकलन किया जा सके।

नौसेना के लिए निर्मित किया गया पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत अपनी पूर्ण परिचालन क्षमता को हासिल कर चुका है। अब यह युद्ध मोड में तैनात होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस पोत पर तैनात होने वाले 30 विमान बेड़े में 18 मिग–29 तथा 12 कामोव हेलीकॉप्टर होंगे। अमेरिका से खरीदे गए एमएच–60 रोमियो हेलीकॉप्टर शक्तिशाली पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं के साथ इस पोत पर तैनात रहेंगे। इन सभी के मिलने के बाद भारतीय नौसेना की ताकत काफी बढ़ जाएगी।

दिव्यांगों को उपकरण देकर बढ़ाया हौसला

संवाददाता—बलरामपुर। राष्ट्रीय विश्व दिव्यांगता दिवस पर ह्यूमन वेलफेयर सोसाइटी की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया। समिति के पदाधिकारी ने दिव्यांगजनों को उपकरण वितरित कर उनका हौसला अफजाई किया। कार्यक्रम का आयोजन शिवपुरा ब्लाक के ग्राम परसिया गोसाई में बुधवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ विष्णु कांत श्रीवास्तव ने दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल, बैसाखी सहित अन्य उपकरण वितरित किए। उन्होंने कहा कि दिव्यांग जनों की मदद के लिए ह्यूमन वेलफेयर सोसाइटी बराबर काम कर रही है। दिव्यांगों की मदद सभी को करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन सरकारी विभाग में जाकर अपने लिए दिव्यांग उपकरण प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालय प्रधानाचार्य ने कहा कि सरकार दिव्यांग जनों के लिए बराबर उपकरण वितरित करती है। जो दिव्यांग शारीरिक रूप से अक्षम हैं, उन्हें सुनने, चलने सहित अन्य समस्या है। वह शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं तो विभाग में संपर्क कर दिव्यांग जन उपकरण प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन आनंद तिवारी ने किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन अपना नाम उपलब्ध कराएं, जिन्हें भी उपकरण उपलब्ध कराया जाएगा। इस अवसर पर फंक्ज मनी, शैलेश कृष्णा शुक्ला, माधुरी सिंह, राधेश्याम तिवारी, प्रवेश कुमार त्रिपाठी सहित सोसाइटी व ग्राम के लोग मौजूद थे।

राज परिवार ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

संवाददाता—बलरामपुर। बुधवार को बलरामपुर स्टेट के तरफ से ग्राम सभा लालपुर भवनडीह, मनकापुर सुखरामपुर, सोनपुर धनहरा में पत्रों को कंबल वितरण किया गया। स्टेट महाप्रबंधक रिटायर्ड कर्नल आर के मोहंता ने कहा कि सभी को गरीब वर्ग के लोगों की मदद करनी चाहिए। ठंड से बचाव के लिए गरीबों को कंबल वितरण करना बड़ा ही पुण्य कार्य है। पत्रों की मदद के लिए स्टेट की ओर से कंबल वितरण किया जा रहा है। जो पूरे ठंड के मौसम में अनवरत चलता रहेगा। स्टेट लेखाकार राम सूरत मिश्रा ने कहा कि महाराज जयंत प्रताप सिंह हमेशा गरीबों की मदद करते हैं। गरीबों की मदद के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष महाराज की ओर से निःशुल्क कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि गरीबों की मदद के लिए प्राइवेट संस्थानों को भी आगे आना चाहिए। स्टेट के सुधीर बहादुर सिंह ने कहा कि स्टेट के कर्मचारी गरीबों तक कंबल पहुंचा रहे हैं। महाराजा जयंत प्रताप सिंह हर क्षेत्र में बढ़ चढ़कर जरूरतमंदों की मदद करते हैं।

दीपावली बोनस व डीए भुगतान न होने से शिक्षकों में असंतोष

संवाददाता—बलरामपुर। बेसिक शिक्षा विभाग के परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षकों को दीपावली बोनस व जुलाई से सितंबर तक के डीए का अवशेष भुगतान नहीं किया है। इससे शिक्षकों में असंतोष व्याप्त है। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) जिलाध्यक्ष देवकुमार मिश्र ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व वित्त एवं लेखाधिकारी को पत्र भेजकर भुगतान कराने की मांग की है। भेजे गए पत्र में जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिले में कार्यरत शिक्षकों को दीपावली बोनस जुलाई, अगस्त व सितंबर के डीए का अवशेष भुगतान नहीं किया जा रहा है।

लक्ष्मीबाई हाउस के बच्चो ने मारी बाजी ट्राफी पर बनाया कब्जा

—भारतीय बस्ती संवाददाता— कुदरहा, (बस्ती)। बहादुरपुर विकास क्षेत्र के यशोदा एजुकेशनल एकेडमी भेड़वा में चल रहे वार्षिक त्रिदिवसीय खेल उत्सव का का समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य व भाजपा पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष ब्रह्मदेव यादव देवा ने किया। मुख्य अतिथि ने विजेता छात्र–छात्राओं और टीमों को मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

खेल उत्सव के तीसरे दिन बालकों की सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता में लक्ष्मी बाई हाउस ने चंद्रशेखर आजाद हाउस को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की तो वही बालकों की जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में चंद्रशेखर आजाद हाउस ने सरदार वल्लभभाई पटेल हाउस को हराया। बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में सिद्धार्थ हाउस डॉक्टर अब्दुल कलाम हाउस को हराकर विजेता बनी। खो–खो खेल प्रतियोगिता में लक्ष्मीबाई हाउस ने चंद्रशेखर आजाद हाउस को हरा कर फाइनल जीता। क्रिकेट प्रतियोगिता में डॉ अब्दुल कलाम हाउस ने सिद्धार्थ हाउस को

-विद्यालयो मे खेल उत्सव बेहद जरूरी- देवा

-यशोदा एजुकेशनल एकेडमी में खेल उत्सव का हुआ समापन

हराकर ट्राफी अपने नाम की। लंबी कूद प्रतियोगिता में विशेष शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तो वही ऊंची कूद में सौरभ कुमार ने प्रथम स्थान हासिल किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ब्रह्मदेव यादव ने कहा की खेलकूद हमारे दैनिक जीवनचर्या में शामिल होना चाहिए, क्योंकि खेलने से शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इस मौके पर आनंद दुबे, अखिलेश गिरी, हरिश्चंद्र त्रिपाठी, अवधेश मौर्य, मनोज कुमार राम सजीवन, विवेक पांडे, प्रभाकर प्रसाद, राजकिशोर दुबे, अनुज शुक्ला, वंदना मिश्रा रिया वर्मा महिमा वर्मा शिवानी पासवान महिमा ओझा तनु मिश्रा सौम्या पांडे रोशन अली अतुल शुक्ला कर्म राज सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

नेपाल के गढ़ीमाई महोत्सव में पशु बलि रोकने को सीमा पर ऑपरेशन त्रिमूर्त

संवाददाता—बहराइच। पड़ोसी राष्ट्र नेपाल में गोवंशों की बलि पर रोक है, लेकिन पांच साल बाद बरियापुर बारा में आयोजित हो रहे देवी गढ़ीमाई महोत्सव में लाखों गोवंशों की बलि देने की प्रथा निभाने की तैयारी हो रही है। इसके लिए भारतीय क्षेत्रों से गोवंशों की तस्करी कर सीमा पार भेजा जा रहा है। इसके मिले इनपुट पर पुलिस सक्रिय हुई है। ऑपरेशन त्रिमूर्त शुरू किया गया है। पुलिस,वन व एसएसबी की अतिरिक्त टीमें सीमा के गोपनीय पगडंडियों पर पहरा दे रही हैं। एलआईयू क्षेत्रीय व खुफिया विभाग नेपाल के पशु कारोबारियों की गतिविधियों पर नजरें गड़ाए हुए हैं।

नेपाल में हर पांच साल पर गढ़ीमाई महोत्सव का आयोजन होता है। इस बार भी यह महोत्सव आठ व नौ दिसंबर को आयोजित हो रहा है। इस महोत्सव में भारत के कई प्रांतों से भी लोग शामिल होते हैं। गढ़ीमाई को प्रसन्न करने के लिए यहां पशु बलि देने की प्राचीन परंपरा है। इस आयोजन को लेकर पशु संरक्षण को लेकर काम करने वाली नेपाली व भारतीय संस्थाएं चिंता जाहिर की हैं। महोत्सव में पशु बलि देने के लिए सीमा से लगे बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर व लखीमपुर में पशुओं की तस्कर कर नेपाल भेजने की आशंका जताई जा रही है। स्वयंसेवी संस्थाओं की ओर से आठ व नौ को सीमा सील करने की भी मांग की गई है, ताकि गोवंशों की सुरक्षा हो सके। मंगलवार को रुपईडीहा बार्डर से लगे नेपाली क्षेत्र में भारी संख्या में गोवंशों की बरामदगी के बाद पुलिस व एसएसबी सक्रिय हुई है।

एसपी ने वन विभाग व एसएसबी के साथ पुलिस की स्पेशल टीमें सीमा की निगरानी को लगाई गई है। जिसके तहत 100 किलोमीटर की सीमा पर उन पगडंडियों को चिंहित किया गया है, जिसके जरिए पशुओं को एक–एक कर सीमा पर सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाई जा रही हैं, जहां से ट्रकों पर लादकर बरियापुर बारा पहुंचाई जा रही हैं। उधर आईजी कानून व्यवस्था की ओर से सीमा की निगरानी बढ़ाने व पशु तस्करी से जुड़े लोगों को चिंहित कर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

वृंदा शुक्ला, एसपी ने कहा कि सीमा पर पशु तस्करी रोकने को अतिरिक्त पुलिस टीमें लगाई गई हैं। तस्करों को चिंहित करने व सर्विलांस के जरिए उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। जल्द ही ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

दूल्हे के स्वागत के दौरान ताबड़तोड़ फायरिंग, एक युवक को लगी गोली, पुलिस ने चार बाडीगार्ड को पकड़ा

संवाददाता—महराजगंज। जिले के गोरखपुर रोड पर स्थित श्याम पैलेस में मंगलवार की रात आई बारात के स्वागत के दौरान किसी ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस घटना में लड़की पक्ष के पट्टीदारी के एक युवक के पैर में गोली लग गई। जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। बारात आने के बाद लड़की वाले उसके स्वागत सत्कार में लग जाते हैं। दूल्हा जब द्वारचार के लिए लड़की के दरवाजे पर पहुंचता है तो लड़की पक्ष दूल्हा और लड़के वालों की खातिरदारी करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ते। हालांकि इस बीच कुछ हुड़दंगी भी होते जो अपनी हरकतों से बाज नहीं आते। ऐसा ही एक मामला यूपी के महाराजगंज से सामने आया है। यहां गोरखपुर रोड पर स्थित श्याम पैलेस में मंगलवार की रात आई बारात के स्वागत के दौरान किसी ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस घटना में लड़की पक्ष के पट्टीदारी के एक युवक के पैर में गोली लग गई। जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। इलाज के लिए घायल युवक को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलने पर कोतवाल मनोज कुमार रॉय, नगर चौकी इंचार्ज विजय द्विवेदी पुलिस कर्मियों के साथ मैरेज हाउस पहुंचे। बारात में असलहा लेकर घूम रहे चार बॉडीगार्ड

को हिरासत में लेकर कोतवाली भेज दिया। ड्रोन और वीडियो कैमरे को कब्जे में ले लिया।

सेंट्रल बैंक के पूर्व मैनेजर के पुत्र की शादी में बारात गोरखपुर रोड पर स्थित श्याम पैलेस में आई थी। लड़की पक्ष घुघली क्षेत्र के सिरसिया से मैरेज हाउस में आया था। मैरेज हाउस में बारात पहुंचने के बाद बारातियों के स्वागत का दौर शुरू हुआ। बताया जा रहा है कि उसी दौरान एक रायफल से फायरिंग हो गई। गोली राजन तिवारी पुत्र सुरेन्द्र तिवारी(40) नाम के युवक के दाएं पैर के एड़ी के पास लगी। इससे पैर का निचले हिस्से का चीथड़ा उड़ गया। इससे सनसनी मच गई। घायल युवक को इलाज के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल युवक के एक्स रे में हड्डी क्षतिग्रस्त नजर आ रही है।

घटना की जानकारी मिलते ही नगर चौकी इंचार्ज विजय द्विवेदी ने मैरेज हाउस पहुंच जांच पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस की एक टीम निजी अस्पताल पहुंच घायल युवक से घटना को लेकर जानकारी ली। कोतवाल मनोज कुमार रॉय मैरेज हाउस पहुंचे। घटना के बाद बारात में असलहा लेकर घूम रहे चार बॉडीगार्ड को पुलिस कर्मी हिरासत में लेकर कोतवाली ले गए। जिस असलहा से गोली चली है, वह दूल्हे पक्ष का बताया जा रहा है। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार रॉय ने बताया कि गोली से घायल युवक का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रकरण में जांच पड़ताल की जा रही है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों को दवा पिलाकर टीकाकरण का शुभारंभ

संवाददाता—गोण्डा। जिला महिला अस्पताल में बुधवार को नियमित टीकाकरण के अंतर्गत विटामिन ए संपूर्ण कार्यक्रम में बच्चों को दवा पिलाकर डीएम नेहा शर्मा ने कार्यक्रम का किया शुभारंभ। कार्यक्रम के दौरान सीडीओ अंकिता जैन व सीएमओ डॉ. रश्मि वर्मा ने वहां पर उपस्थित सभी बच्चों को विटामिन ए संपूर्ण की खुराक पिलाई। डीएम ने बताया कि विटामिन ए संपूर्ण कार्यक्रम का द्वितीय चरण 04 दिसम्बर से 03 जनवरी तक चलाया जाएगा। इस कार्यक्रम में जनपद के समस्त 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की अतिरिक्त डोज की दी जाएगी। सीएमओ ने डॉ. रश्मि वर्मा ने बताया कि विटामिन ए की कमी से बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ जाती है। साथ ही रतौंधी, अंधापन, गंभीर और लंबे समय तक बीमारी में बने रहना, कुपोषण और मृत्यु दर में बढ़ोतरी इत्यादि हो सकती है। जिले में 09 माह से 12 माह के मध्य 01 एमएल तथा एक वर्ष से 05 वर्ष तक के बच्चो को 2 एमएल खुराक दी जाती है। 16 माह तक के बच्चों को नियमित टीकाकरण के दौरान आच्छादित किया जाता है। शेष बच्चों को इस अभियान में अतिरिक्त डोज दिया जाएगा। यह कार्यक्रम नियमित टीकाकरण के दिन ही आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान एसीएमओ डॉ. आदित्य वर्मा, एसीएमओ डॉ. जय गोविंद, सीएमएस महिला अस्पताल डॉ. देवेन्द्र सिंह, डीसीपीएम डॉ. आरपी सिंह, डॉ. शेषनाथ सिंह यूनिसेफ, पंकज तिवारी आदि उपस्थित रहे।

दिव्यांगों में कम्बल का वितरण

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में सोनहा डाकबंगले पर अक्षय वेलफेयर एसोसिएशन के सहयोग से युवा विकास समिति, रूरल अवरनेश फॉर कम्युनिटी इवोल्यूशन तथा विवेकानंद लोक विकास संस्थान के तत्वावधान में दिव्यांगों में कंबल वितरित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रूरल अवरनेश फॉर कम्युनिटी इवोल्यूशन के अध्यक्ष नितेश शर्मा ने कंबल वितरित करने के पश्चात दिव्यांग जनों को संबोधित करते हुए कहा कि दिव्यांग होना खुद के हॉथ में नहीं है परंतु दिव्यांग होकर भी समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कीर्तिमान रचना अपने हॉथ में हैं। कहा कि दिव्यांगता आपके जीवन की कठिनता को बढ़ा देती है। फिर भी कुछ ऐसे दिव्यांग हैं, जो दिव्यांगता को अपनी उपलब्धियों के रास्ते में अड़चन नहीं बनने देते। आत्म–विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत होती है। उनकी हिम्मत उन्हें सफलता और शोहरत तक पहुँचाती है।

युवा विकास समिति के सचिव बृहस्पति कुमार पांडेय ने कहा कि दिव्यांग समाज के सक्षम व्यक्तियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। परिस्थितियों के विपरीत होने पर भी दिव्यांगजन अपने हौसलों से कामयाबी की उड़ान भरते हैं। उन्होंने बताया की भारत सरकार के सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय के अधीन संचालित नेशनल ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में मानसिक मंदित, सेरेब्रल पालसी, स्वलीनता व बहु दिव्यांगता वाले दिव्यांग जनो हेतु चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दिया। इस कार्यक्रम का संचालन करते हुए विवेकानंद लोक विकास संस्थान के सचिव राधेश्याम चौधरी ने दिव्यांगजनों हेतु भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दिया। इस अवसर पर 179 दिव्यांग जनों को कंबल वितरित किया गया। फूलचंद, जोगेन्दर, हिरदयलाल, राम प्रसाद, बहादुर, मरियम, पंन्नू, सुभाष चंद्र, राम तेज, धिसियावन, रामनेवास, ओमप्रकाश, राजितराम आदि की मौजूदगी रही।

विश्व दिव्यांग दिवस पर मुस्कान पुनर्वास केंद्र द्वारा आयोजित किया गया सम्मान समारोह

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। मुस्कान पुनर्वास केंद्र कनीगंज अयोध्या में विश्व दिव्यांग दिवस का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने ना सुनते और ना बोलते हुए भी शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसके अंतर्गत देशभक्ति गीत पर आधारित नृत्य ,स्वागत गीत पर नृत्य, नृत्य नाटिका, जनसंख्या पर माइम ,द्रोपदी का चीर हरण पर माइम, फैंसी ड्रेस, सोलो डांस आदि अनेको कार्यक्रम प्रस्तुत करके उपस्थित दर्शकों एवं मुख्य अतिथि को आश्चर्यचकित कर दिया। पोलियो ग्रस्त छात्रा वंदना एवं रेखा का नृत्य भी सराहा गया। उक्त अवसर पर संस्था की निदेशक डॉक्टर रानी अवस्थी ने बताया कि मुस्कान पुनर्वास केंद्र कनीगंज अयोध्या में मूक बधिर व अस्थि विकलांग बच्चों को 12 कक्षा तक पढ़ाकर नौकरी दिलवाई जाती है। अब तक लगभग 15000 दिव्यांगों को संस्था द्वारा पुनर्वासित किया जा चुका है। बच्चे सरकारी एवं गैर सरकारी दोनों प्रकार की नौकरी करते हैं। सरकारी में रेलवे बैंक, हॉस्पिटल, स्कूल आदि में नौकरी करते हैं तो गैर सरकारी में अमेजन ,पिलपकार्ट ,होटल बिग बॉस्केट आदि में नौकरी कर रहे हैं। इस हेतु बच्चों को स्पीच थेरेपी एवं कंप्यूटर आदि का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। नौकरी के पश्चात बच्चों का विवाह भी किया जाता है। मानसिक मन्दित बच्चों को भी व्यावहारिक ज्ञान दिया जाता है। इस प्रकार मुस्कान संस्था दिव्यांगों को समाज में पुनर्वासित करने का कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य दिव्यांगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरना है इस हेतु दूर से आने वाले बच्चों के लिए संस्था में छात्रावास की भी सुविधा है तथा स्थानीय बच्चे पैदल एवं आटो से आते है। मुस्कान पुनर्वास केंद्र के बच्चे विभिन्न मंचों पर भी अपने कार्यक्रम प्रस्तुत करते रहते हैं जैसे फैजाबाद महोत्सव ,रामायण मेला ,रामोत्सव, नमामि गंगे तथा गणतंत्र दिवस समारोह पुलिस लाइन में,अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय की प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और पुरस्कार प्राप्त करते हैं। इस प्रकार इस शांत दुनिया के दिव्यांग बच्चे जिन्होंने जन्म से लेकर आज तक कोई आवाज नहीं सुनी आप सभी का मनोरंजन कर रहे हैं और अपनी प्रतिभा सम्माननीय अतिथियों एवं दर्शकों के सम्मुख प्रस्तुत कर रहे हैं। बच्चों ने खेलकूद की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया जिसका पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम का भावपूर्ण संचालन संगीता यादव ने किया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में बोलते हुए एसडीएम फैजाबाद आदरणीय अंशिका दीक्षित ने कहा कि मैं आज अपने को सौभाग्यशाली मानती हूं कि आज इन दिव्यांग बच्चों के बीच में हूं। इन बच्चों ने अपने कार्यक्रम से मुझे भाव विभोर कर दिया और सोचने को मजबूर कर दिया कि हम अपनी छोटी सी परेशानी को भी लेकर इतना परेशान हो जाते हैं और यह बच्चे अपनी कमी के बावजूद अपनी प्रतिभा से समाज को अलंकृत कर रहे हैं। निश्चय ही मुस्कान पुनर्वास केंद्र का या प्रयास सराहनीय है। समाजसेवि उर्मिला सिंह ने कहा की रानी दीदी को हम बहुत समय से इन बच्चों के लिए काम करते हुए देख रहे हैं ये हम सब के लिए एक प्रेरणास्रोत है। लोग अपने एक बच्चे को संभाल नहीं पाते और दीदी प्रतिदिन सैकड़ो बच्चों के लिए कार्य कर रहे हैं।रोटरी क्लब ग्रेटर के अध्यक्ष दीपक रस्तोगी ने कहा कि हम इन बच्चों के बीच आकर अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। हम जब भी जरूरत होगी इनके लिए खड़े रहेंगे आपके द्वारा सभी बच्चों के लिए जलपान भी कराया गया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर मंजूषा पांडे ने कहा कि मुझे बहुत आश्चर्य हुआ कि यहां के प्रशिक्षण के पश्चात मानसिक रूप से कमजोर बच्चे भी कार्यक्रम कर रहे हैं, जबकि हम डॉक्टर लोग भी सी.पी बच्चों को मानते हैं कि इन बच्चों को बहुत देखभाल की जरूरत होती है। निश्चित ही डॉक्टर रानी अवस्थी के निर्देशन में संस्था अच्छा काम कर रही है शीघ्र ही बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल हेतु हम एक डॉक्टर कैंप लगाएंगे।कार्यक्रम का समापन करते हुए संस्था के प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी ने उपस्थित जन समूह को अपना आभार प्रकट किया और कहा कि जिन अस्थि दिव्यांग तथा लो विजन ,एक नेत्र से जिन्हें नहीं दिखता है या जो सुन बोल नहीं सकते हैं ऐसे 18 वर्ष से 35 वर्ष तक यदि कोई दिव्यांग युवा है तो तत्काल अपना सी.वी 9336865708 या 983963 2216 पर भेज दें उसका साक्षात्कार 6 एवं 7 तारीख को दिसंबर में ही करवाकर 20000 प्रतिमाह की नौकरी मुस्कान पुनर्वास केंद्र कनीगंज अयोध्या द्वारा दिलवा दी जाएगी। विलंब से आने पर आप स्वयं जिम्मेदार होंगे। उक्त अवसर पर रोटरी क्लब ग्रेटर से पार्थ अग्रवाल, नितेश रस्तोगी ,संजीव सोनी ,अवध कमेंट वीक के संपादक शिवकुमार मिश्र ,मिशन मोदी अगेन के जिला अध्यक्ष राजकुमार जी ,आरोही एक उड़ान की पल्लवी वर्मा, पूर्व पार्षद सीताकुंड वार्ड मीरा जायसवाल तथा अभिभावक गण तथा अनेको समाजसेवी एवं भूत पूर्व बच्चे उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्था लखनऊ का भी सहयोग रहा है।

कैरियर काउन्सलिंग में दिया जानकारी

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। राजकीय महाविद्यालय, रूधौली में इतिहास विभाग के द्वारा में दो दिवसीय कैरियर काउन्सलिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर डा0 राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि कैरियर का चयन विद्यार्थियों के लिए एक बडा निर्णय है लेकिन बिडम्बना यह है कि जिस समय हमें यह निर्णय लेने की नितान्त जरूरत होती है उस समय हम तैयार नही होते। इसलिए सर्वप्रथम विद्यार्थियों को प्रारंभ में ही अपने कैरियर के बारे में चिन्तन कर विषय का चुनाव करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत की मुख्य प्रशासनिक सेवाओं में एक विषय के रूप में इतिहास विषय की बहुत लोकप्रियता है और सामान्य ज्ञान जो हर प्रतियोगिता परीक्षा का मुख्य अंग है, इसमें इतिहास के ही सर्वाधिक प्रश्न पूछे जाते है।

कैरियर काउन्सलिंग कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो0 सुधाकर लाल श्रीवास्तव, सेवानिवृत प्रोफेसर, इतिहास विभाग, दी0द0उ0गो0वि0वि0, गोरखपुर ने छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि इतिहास विषय में कैरियर की असीम संभावनाऐं है। मुख्य रूप से प्राचीन इतिहास और पुरातत्व का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए तो कई द्वार खुले है। पुरातत्व में कार्य करने के लिए तार्किक सोच, साहसिक जज्बा और विश्लेषणात्मक क्षमता होनी चाहिए। यह सब क्यों चाहिए क्योंकि आपको पहाडों पर जाना होगा, जंगल में जाना होगा, गुफाओं में जाना होगा तो आपके अन्दर साहस होना ही चाहिए। यदि आपके पास विदेशी भाषाओं का ज्ञान है तो यह और भी अच्छा है क्योंकि मध्यकालीन और आधुनिक भारत के इतिहास को जानने समझने के लिए अरबी, फारसी, तुर्की, अंग्रेजी, जर्मन, आदि भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है। इसके अतिरिक्त आपकों इतिहास विषय से स्नातक अथवा परास्नातक की उपाधि होनी चाहिए। उच्च शिक्षण संस्थानों में एक शिक्षक अथवा सहायक प्रोफेसर के रूप में अपने

कैरियर की शुरूआत करना चाहते है तो परास्नातक में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है जिसके बाद आप यू0जी0सी0 –नेट–जेआर0एफ0 की परीक्षा उत्तीर्ण कर इस सेवा के लिए चयनित हो सकते है। प्रोफेसर बनने के अलावा आप भारतीय पुरातत्व विभाग के विभिन्न डिप्लोमा कोर्स कर के भी फिल्ड में जाकर विभिन्न प्रकार के कार्य कर सकते है। इस तरह के कोर्स करने से आप पूरे भारत के धरोहरों से परिचित होते है, विभिन्न सर्वेक्षणों में भी भाग लेते है, तथा इसके अतिरिक्त प्रशिक्षित पुरातत्व वैज्ञानिक के अधीन रहकर कार्य करने का मौका मिलता है। इसके लिए बहुत सारे शैक्षणिक संस्थान है जो विभिन्न प्रकार के डिप्लोमा और प्रोफेशनल कोर्स की उपाधि प्रदान करते है। प्रो0 सुधाकर श्रीवास्तव ने कहा कि आप टी0जी0टी0 और पी0जी0टी के रूप में भी इतिहास विषय से अपने कैरियर का चयन कर इण्टर कालेजों में अध्यापन का कार्य कर सकते है। अन्त में उपस्थित विद्यार्थियों ने मुख्य वक्ता से अनेक प्रश्न पूछे और अपने जिज्ञासाओं को शान्त किया।

कार्यक्रम के समापन के अवसर पर डा0 शैलजा, सहायक प्रोफेसर – हिन्दी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अनेक शिक्षणगण– श्री जगदीश प्रसाद, असि0प्रो0– समाजशास्त्र, डा0 देवानन्द, असि0 प्रो0– अर्थशास्त्र, तथा समस्त विद्यार्थिगण ममता, रेनू, प्रियंका, सोनम, रम्भावती, सुभावती, काजल, प्रेमलता, सोनी मार्या, आदि उपस्थित रहे।

तेंदुए से आजिज लोगों ने जान जोखिम में डालकर पकड़ा

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा के चकदह टोला बेलभार में महिला पर हमला करने वाले तेंदुए पर भीड़ टूट पड़ी। क्षेत्र में दो दिनों से बने तेंदुए के आतंक से आजिज लोगों ने वन विभाग की कार्रवाई का इंतजार करने की बजाय जान जोखिम में डालकर खुद तेंदुए को पकड़ने की ठानी। चारों ओर से भीड़ दौड़ाती रही और तेंदुआ रोहिन नदी किनारे खाई के पानी में छलांग लगाकर भागता रहा। दो युवकों को तेंदुए ने जख्मी भी किया, लेकिन भीड़ ने उसे पकड़ ही लिया। नौतनवा क्षेत्र में आए दिन तेंदुए का आतंक बना रहता है। तीन दिन पहले भी तेंदुए ने एक किसान हमला किया था। सप्ताह भर पहले एक तेंदुआ पिंजरे में फंसा भी था। लेकिन मंगलवार को फिर तेंदुए ने बकरी चरा रही महिला पुष्पा पर हमला किया तो लोगों का सब्र टूट गया। भीड़ तेंदुए को किसी भी हाल में पकड़ने के लिए आमादा हो गई।

अफरा–तफरी के बीच हिम्मत दिखाते हुए भीड़ तेंदुए को दौड़ाने में लगी थी। भीड़ देखकर तेंदुआ भयभीत हो गया था। अपनी जान बचाने के लिए भीड़ देखकर पानी में छलांग लगाई। लेकिन भीड़ ने उसे दबोच लिया। उसे पकड़कर नदी के उस पार ले गए। भीड़ ने तेंदुए को रस्सी से जकड़ लिया और वन विभाग को सूचना दी। इस दौरान तेंदुआ भी जख्मी हो गया था। तेंदुआ देखने के लिए चकदह, लालपुर, मरचहवा, घटवा, जवहवा, कल्याणपुर, शीशमहल, लालपुर परती समेत कई गांवों के लोग रोहिन नदी के लालपुर घाट पर जुट गए थे। महिला, पुरुषों व बच्चों की भीड़ नदी के दोनों तरफ खचाखच भरी थी। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए नौतनवा थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार सिंह व पुलिस फोर्स पहुंची। पुलिस व वन विभाग की टीम पहुंचने से पहले भीड़ ने तेंदुए को दबोच लिया था।

आरोपी को गिरफ्तार करने महुआडीह पहुंची राजस्थान पुलिस

संवाददाता—देवरिया। राजस्थान में धोखाधड़ी के मामले में दर्ज मुकदमें के आरोपी को राजस्थान पुलिस गिरफ्तार करने जिले महुआडीह पहुंची। लेकिन पुलिस आरोपी के घर पहुंची तो पता चला कि कोरोना काल 2020 में उसकी मौत हो चुकी है। ग्रामीणों व ग्राम प्रधान से पूछताछ के बाद पुलिस ने प्रधान से प्रमाणित मृत्यु प्रमाण पत्र लेकर चली गई। राजस्थान के जोतपुर जिले के बासनी थाना क्षेत्र जोतपुर निवासी रक्षित बंलशाली पुत्र महावीर चंद ओसवाल की बासनी में स्थित एक स्टील फैक्ट्री है। जिले महुआडीह थाना क्षेत्र के नेरुई अमवा गांव निवासी सिद्धकी महसूद अली पुत्र शेख जहीद वर्ष 2012 से इस कंपनी में अपने ट्रक से स्टील सामान को दूसरे जिले में ले जाने का काम करते थे। कम्पनी मालिक ने मजदूरों से ट्रक पर स्टील का सामान लदवा कर सिद्धकी महसूद को मुम्बई एक कम्पनी में ले जाने को कहा। वह ट्रक पर स्टील सामान लेकर मुम्बई के लिए निकल पड़ा। लेकिन फैक्ट्री मालिक को मुम्बई कम्पनी में स्टील का सामान नहीं पहुंचने की सूचना मिली। इसके बाद ट्रक व उसके मालिक की खोजबीन की गई। किसी ने फैक्ट्री मालिक को बताया कि मालिक माल समेत ट्रक लेकर भाग गया है। फैक्ट्री मालिक रक्षित बलशाली ने 23 मार्च 2012 को बासनी थाने पर ट्रक व उसके मालिक के खिलाफ तहरीर दिया। बासनी पुलिस ने महुआडीह थाना क्षेत्र के नेरुई अमवा गांव निवासी सिद्धकी महसूद अली पुत्र स्वर्गीय शेख जहीद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। राजस्थान पुलिस 12 साल बाद फरार आरोपी को गिरफ्तार करने जिले के महुआडीह थाने पर पहुंच स्थानीय पुलिस के साथ नेरुई अमवा गांव पहुंची। ग्रामीणों व ग्राम प्रधान से पता चला कि आरोपी की मौत कोरोना काल 2020 में हो गई। राजस्थान पुलिस ने ग्राम प्रधान से मृत्यु सम्बन्धित कागजात लेकर चली गई। राजस्थान हेड कास्टेबल जयशवत सिंह, महुआडीह कास्टेबल दुर्गेश राजभर पहुंचे थे।

92वां संस्थापक सप्ताह समारोहः अनुशासन से ही सर्वांगीण विकास संभव, मानवता के समक्ष बड़ी चुनौती–योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के प्रति पूरी दुनिया का विश्वास तेजी से बढ़ा है। एक समय था जब भारत दुनिया के किसी भी गुट में नहीं था। देश के सामने असमंजस की स्थिति थी कि उसकी दिशा क्या होगी, उसे क्या करना है। पर, आज का नया भारत दुनिया के ध्रुवीकरण की दिशा तय करता है। दुनिया का धुवीकरण उधार होता है, जिधर भारत होता है।

सीएम योगी बुधवार को महाराणा प्रताप (एम पी)शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज परिसर में समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सदस्य सचिव प्रो. राजीव कुमार का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया उसी का अनुसरण करती है जो खुद को उसके अनुरूप तैयार करने का माद्दा रखता है।

जो स्वयं खड़ा नहीं हो सकता, वह दूसरों को खड़ा होने की प्रेरणा कैसे दे सकता है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत को खुद को उसी अनुरूप तैयार किया और परिणाम है कि आज भारत की दिशा के बिना दुनिया की दिशा की कल्पना नहीं की जा सकती है। दुनिया में मानवता के सामने जो चुनौती है, भारत उससे निपटने के विश्वास का प्रतीक बना है। जी–20 का समिट उसका प्रमाण है। आज दुनिया का कोई भी बड़ा आयोजन भारत के बिना नहीं होता है। आज देश विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना के परिस्थितियों और इसकी अबतक की यात्रा को याद करते हुए कहा कि परिषद की 92 वर्ष की यात्रा इस बात के समग्र मूल्यांकन का अवसर है कि नए भारत के लिए संस्था किस दृष्टि से तैयार हो। उन्होंने कहा कि 1932 में जब ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने जब इस परिषद रूपी छोटे बीज को रोपित किया था तब साधन और संसाधन नहीं थे।

देश तब गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था। एक ओर आजादी की लड़ाई हिलोरें ले रही थी तो दूसरी ओर आजादी हासिल करने के विश्वास भाव के साथ आजाद भारत के नेतृत्व के लिए योग्य नागरिक तैयार करने की चुनौती थी। इसी को ध्यान में रखकर ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की और उसी के अनुरूप उनके बाद ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी ने आगे बढ़ाया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन अनुशासन पर्व है। जीवन मे सर्वांगीण विकास के लिए अनुशासन अपरिहार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता हासिल करने का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा के एकल क्षेत्र में एकाग्रता और कठिन परिश्रम जरूरी है तो समूह में व्यक्तिगत एकाग्रता व कठिन परिश्रम के साथ टीम भावना का होना अहम है। एकाग्र भाव, कठिन परिश्रम और टीम भावना ही सफलता का मूलमंत्र है। यदि यह तीनों एकसाथ हों तो कुछ भी असंभव नहीं रह जाता।

संस्थापक समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में सबसे पहले समारोह अध्यक्ष, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व अन्य गणमान्यजन ने मां सरस्वती, गुरु गोरखनाथ, महाराणा प्रताप, ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमाओं पर पुष्पार्चन किया। इसके बाद स्वागत संबोधन में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो यूपी सिंह ने परिषद की प्रगति यात्रा पर प्रकाश डाला।

शुभारंभ अवसर पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा की सलामी मुख्य अतिथि, मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने ली। कार्यक्रम के शुरुआत में मुख्य अतिथि ने महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के बलरामपुर हाल में लगी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्हें एनसीसी कैडेट्स की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया गया। समारोह में महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह,

मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर की कुलपति प्रो. शोभा गौड़, मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर के कुलपति प्रो. रवि शंकर सिंह, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास,महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी पदाधिकारी व सदस्य, परिषद से जुड़ी शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों, शिक्षकों व विद्यार्थियों की सहभागिता रही। संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह व आभार ज्ञापन एमपी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरुण सिंह ने किया।

यूपी के प्राचीन वैभव को फिर से स्थापित कर रहे हैं सीएम योगी –नरेंद्र सिंह तोमर

संवाददाता–गोरखपुर। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि एक समय वह भी आ गया था जब उत्तर प्रदेश में कोई आने को तैयार नहीं था। पर, योगी आदित्यनाथ ने जबसे मुख्यमंत्री के रूप में यहां कमान संभाली है तबसे यूपी का प्राचीन वैभव पुनर्स्थापित होने लगा है। कानून व्यवस्था की बात हो, निवेश लाने की, स्वास्थ्य क्षेत्र की सुदृढ़ता, गरीबी उन्मूलन या फिर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की, उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने हर दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ाए हैं। बुधवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि नरेंद्र सिंह तोमर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ से वह कई भूमिकाओं में मिलते रहे हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में वह भक्तियोग का मार्ग दिखाते हैं तो उसी के समानांतर राजनेता के रूप में कर्मयोग का भी रास्ता बताते हैं।

गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में उनकी अपनी जो साधना है वो तो प्रेरणादायी है ही, कर्मयोग के मार्ग पर चलते हुए एक राजनेता, सांसद व मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जो काम किया है, उनकी जितनी प्रशंसा की जाये उतनी कम है। उन्होंने भगवान गोरखनाथ की धरा पर आगमन का आमंत्रण पाने के लिए खुद को सौभाग्यशाली बताया।

गोरक्षपीठ के प्रकल्प महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के व्यापक लोक सरोकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि कोई भी आध्यात्मिक संस्था, पीठ या मठ सामान्यतः भक्ति योग की प्रेरणा देती है। पर, गोरक्षपीठ एक ऐसी संस्था है जो भक्तियोग के साथ कर्मयोग में रत होकर, इसकी प्रेरणा देकर नागरिकों के जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। इस परिप्रेक्ष्य में गोरक्षपीठ और इसकी संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद समूचे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र तोमर ने कहा कि कोई संस्था शिक्षा के क्षेत्र में काम करती है तो कोई तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में। पर, बात जब महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की आती है तो हमारा ध्यान सर्वांगीण विकास और लोक कल्याण के परम वैभव की समग्र योजना की तरफ जाता है। आज इस परिषद के द्वारा 50 से अधिक संस्थाओं का संचालन करना यह अपने आप में अद्वितीय उदाहरण है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद ने शिक्षा के सर्वांगिण विकास के लिए जो काम किया है वह अपने आप में अद्भुत है और निश्चित रूप से प्रेरणादायी है।

नरेंद्र तोमर ने कहा कि आजादी के बाद देश के भविष्य के लिए योग्य नागरिकों की तालिका खड़ी करने की दूरदृष्टि से ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने एमपी शिक्षा परिषद के जिस बीज को रोपा और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी ने उससे निकले पौधे को सींचा, वह आज योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में वट वृक्ष के रूप में खड़ा है। इसकी छाया में सारा पूर्वांचल आज अपने आप को गौरवान्वित कर रहा है।

नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि आज भारत निरंतर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सूझबूझ और अदम्य साहस, कठोर परिश्रम के कारण भारत की ख्याति दुनिया के मानचित्र पर तेजी के साथ स्थापित हो रही है। एक कालखंड था जब भारत को वैश्विक मंचों पर बहुत तजब्बों नही मिलती थी लेकिन आज हम गर्व के साथ कह सकते है कि कोई भी वैश्विक मंच पर दुनिया में नहीं है, जिसका एजेण्डा भारत की अनदेखी करने का साहस कर सके।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें हम सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लागू हुई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिणाम शनैः–शनैः परिलक्षित होंगे और इससे आमूलचूल बदलाव होगा। शिक्षा, देश को सुयोग्य मानव संसाधन उपलब्ध कराने की माध्यम बनेगी।

खेल प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया दम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आरसीसी पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन प्रारम्भ हुआ। जिसमें प्रथम दिवस में क्रिकेट, वॉलीवाल, चेस, व कैरम सहित कई अन्य प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों व अन्य प्रतिभागियों ने उत्साह एवं समर्पण के साथ भाग लिया, जिससे आयोजन और भी रोचक और प्रेरणादायक बन गया। क्रिकेट के सेमीफाइनल में रेड हाउस ने यलो हाउस को और ब्लू हाउस ने ग्रीन हाउस को मात देते हुए फाइनल में अपनी जगह बनायी। इसी क्रम में वॉलीवाल के सेमीफाइनल में रेड हाउस ने यलो हाउस को और ब्लू हाउस ने ग्रीन हाउस को मात देते हुए फाइनल में अपनी जगह बनायी।

रेड हाउस से हसन खान, विपिन यादव, मंजीत वर्मा, निखिल यादव, प्रिन्स, प्रवीण, राज चौधरी, अमर निषाद, सत्यम यादव, ओम पाण्डेय, रितेश वर्मा, राम शुभम यलो हाउस सें कादिर, आदित्य यादव, दनियाल, अजय, शिवम, शिव, फुजैल सिद्दकी, विकास गुप्ता, हेमेन्त, अंकित यादव, अशदुल्लाह, ब्लू हाउस से मधुरश्याम पाण्डेय, अलोक सैनी, शिवा, शिवम, आदर्श तथा ग्रीन हाउस से सुहेल खान, अरून कुमार, शिवम् त्रिपाठी, अवधेश पटेल, षिवा यादव, हेमेन्त प्रजापति, सचिन प्रजापति, शुभम यादव आदि ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता शुभारम्भ स्कूल प्रबंधक श्री शैलेश चौधरी के द्वारा वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य श्री विजय प्रकाश चौधरी व शिक्षक राजकुमार शुक्ला, चन्द्रभान चौधरी, दिलीप चौधरी, प्रियंका यादव, रजनीष वरून, अखिलेष यादव, महेश पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

फरार पिकलू सिंह भी चढ़ा पुलिस के हत्थे

संवाददाता–गोरखपुर। दिनदहाड़े गोली मार कर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मृतक के पुत्र अभिषेक के तहरीर पर नामजद पांच लोगों पर हत्या का केस दर्ज किया था। पुलिस ने इनमें से चार अभियुक्त एटम सिंह पुत्र पटेश्वरी सिंह, अजय सिंह, विजय सिंह पुत्र विद्या सिंह, सचिन सिंह पुत्र स्व. भुनेश्वर सिंह को घटना वाले दिन ही गिरफ्तार कर लिया था। बुधवार की सुबह फरार आरोपी शशि शंकर उर्फ पिकलू सिंह भी गिरफ्तार हो गया। पुलिस ने इसके पास से लाइसेंसी बंदूक के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, अमटौरा गांव निवासी शिवधनी निषाद के घर सोमवार को मुंडन कार्यक्रम था। इस दौरान रास्ते में खड़ी साइकिल हटाने को लेकर पड़ोस में रहने वाले मनबढ़ आरोपी, शिवधनी से विवाद करने लगे। इसमे शिवधनी को चोट आई थी। रात के समय ही थाने पहुंचकर उसने तहरीर दी। मंगलवार सुबह बुलाकर पुलिस ने उसका मेडिकल करवाया।

आरोप है कि अपराह्न तीन बजे वह घर वापस पहुंचा तो तहरीर देने से नाराज मनबढ़ घर पर चढ़कर शिवधनी को गोली मारकर हत्या कर दी। इस दौरान बीच बचाव में आई पत्नी के हाथ में भी गोली लग गई।

सीएम ने जनता दर्शन में सुनी फरियाद, निस्तारण के दिए आदेश

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सुबह जनता दर्शन में 300 से अधिक लोगों की फरियाद सुनीं। फरियाद सुनने के साथ ही सीएम ने वहां मौजूद अफसरों से कहा कि सभी फरियादियों के आवेदनों को गंभीरता से देखते हुए उसका समय से निस्तारण कराएं। निस्तारण के साथ ही फरियादी से फीडबैक भी लें कि उसका काम हुआ या नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार हर पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री स्वयं कुर्सियों पर बैठे लोगों तक पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। जमीनी विवादों पर उन्होंने कहा कि पारिवारिक मामलों में पक्षों के बीच वार्ता कराई जाए और जरूरत पड़ने पर विधिक कार्रवाई की जाए। अवैधा कब्जों के मामलों में सख्त कार्रवाई के आदेश दिए।

इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर आए लोगों को आश्वासन देते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रक्रिया पूरी कर शासन को रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 380/2022
न्यायालय– श्रीमान द्वितीय अपर सिविल जज (जू0डि0) स्थान–बांसी जिला– सिद्धार्थनगर

जामियातुस सालेहात
बनाम
अमीर अहसन

1. अमीर अहसन पुत्र शौकत अली ग्राम कोल्हुई पोस्ट सोनखर तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 16–01–2025

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **16.01.2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 29.11. 2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 21/1998
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान–बांसी जिला– सिद्धार्थनगर

खेलई
बनाम
रामकेवल आदि

1. नवीहसन पुत्र रियासत उम्र 58 वर्ष 2. मो0 रईश पुत्र मो0 इलाके उम्र 62 वर्ष 3. हजरत अली पुत्र मो0 इलाके उम्र 50 वर्ष 4. नबी अहमद पुत्र रियासत उम्र 62 वर्ष 5. तकदीरूनिंशा पत्नी नबी हसन उम्र 56 वर्ष साकिनान मौजा तुरकौलिया तप्पा गोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 20–12–2024

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **20.12.2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 29.11. 2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–जे0एम0/एफ0टी0सी0 (महिलाओ के विरूद्ध अपराध) महोदय बस्ती
घरेलू हिंसा वाद सं0 319/2023

सारिका उपाध्याय
बनाम
नीरज उपाध्याय आदि

1. नीरज उपाध्याय उम्र लगभग 33 वर्ष पुत्र स्व0 चन्द्रशेखर उपाध्याय 2. सुमिता उम्र लगभग 65 वर्ष पत्नी स्व0 चन्द्रशेखर उपाध्याय 3. अम्बुज उपाध्याय उर्फ छोटू उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र स्व0 चन्द्रशेखर उपाध्याय 4. शीला उम्र लगभग 43 वर्ष 5. आंचल उर्फ पुष्पा उम्र लगभग 38 वर्ष 6. उपासना उम्र लगभग 36 वर्ष 7. पूनम उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्रीगण स्व0 चन्द्रशेखर उपाध्याय निवासीगण ग्राम दौलतपुर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील बस्ती सदर थाना कोतवाली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–01–2025

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 02 मास 01 सन् 2025 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

एकमुश्त बकाया टैक्स जमा कर पाएं छूट का लाभ

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। परिवहन विभाग की ओर से बीते छह नवम्बर के पूर्व रजिस्ट्रीकृत परिवहन वाहनों के बकाया टैक्स के भुगतान में छूट दिया जा है। विलम्ब शुल्क में भी तीन माह की राहत दिया जा रहा है। छूट परिवहन वाहनों ऑटो रिक्शा, टैम्पो टैक्सी, बस के साथ माल वाहक वाहनों जैसे पिकअप, डिलेवरी वैन, मिनी ट्रक, ट्रक, ट्रेलर तथा अन्य वाहन जेसीबी क्रेन कैम्पर वाहन पर मिलेगी। इस बाबत बुधवार को स्थानीय सहायक संभागीय परिवहन कार्यालय में जनपद के ई–रिक्शा डीलरों की बैठक हुई। उन्हें परिवहन विभाग के एक मुश्त समाधान योजना 2024 के लाभ की जानकारी दी गई। साथ ही उनसे अपेक्षा की गई कि अपने सम्बन्धित वाहन स्वामियों को योजना में शत् प्रतिशत छूट से अवगत कराएं। अधिक से अधिक वाहन स्वामियों को योजना से लाभान्वित करें। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी सत्येंद्र यादव ने अपेक्षा किया कि शत प्रतिशत टैक्स के बकाएदार वाहन स्वामी योजना का लाभ प्राप्त कर लें।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–361/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

विजयनन्दन प्रसाद उर्फ अतुल प्रसाद
बनाम
शहजाद अहमद आदि

1. शहजाद अहमद पुत्र डा0 ओवैदुल्लाह साकिन बेलवाडाड़ तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–362/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

विजयनन्दन प्रसाद उर्फ अतुल प्रसाद
बनाम
शहजाद अहमद आदि

1. शहजाद अहमद पुत्र डा0 ओवैदुल्लाह साकिन बेलवाडाड़ तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अयोध्या से जनकपुर रवाना हुआ रामभक्तों का दल

संवाददाता–अयोध्या। राम विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और महापौर गिरीश पति त्रिपाठी के नेतृत्व में एक दल जनकपुर के रवाना हुआ। विवाह पंचमी 6 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के 7 दिसंबर को वापस अयोध्या आएगा। राम विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और महापौर गिरीश पति त्रिपाठी के नेतृत्व में एक दल जनकपुर के रवाना हुआ। दर्जन भर वाहनों से बुधवार की सुबह अयोध्या से निकला तथा शाम तक जनकपुर पहुंच जाएगा। विवाह पंचमी 6 दिसंबर को आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के 7 दिसंबर को वापस अयोध्या आएगा। 26 नवंबर को अयोध्या से जनकपुर के लिए बारात जा चुकी है। इस दौरान महापौर ने कहा कि जनक पुर जाने वाले दल के सभी सदस्य धन्य है जो उन्हें अपने आराध्य प्रभु सीताराम के शुभ विवाह महोत्सव में बाराती बन के जनकपुर जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्री राम की जन्मभूमि से विवाह महोत्सव में शामिल होना गौरव की बात है। जनकपुर रवाना होने वालों में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित, इंजी रवि तिवारी, आचार्य दुर्गा प्रसाद गौतम सहित अन्य दर्जनों राम भक्त शामिल हैं।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com